Coal ash causing pollution

3082. SHRI RAMDAS AGARWAL: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the need for setting up more coal washeries at pit heads so that ash content could be limited to an international standard of less than 18 per cent or so as reportedly suggested by the West Bengal Power Minister while inaugurating a conference on 'Coal Ash Problems and Prospect' organised by the newly formed Coal Ash Institute of India (CAII) in Calcutta;

(b) whether Government are also aware that coal supplied to Kolaghat Thermal Power Station contains 40 per cent ash on an laverage and that ash from the ash pond has potential of affecting human health as well as Agricultural productivity; and

(c) if so, what remedial measures Government propose to take or already suggested to newly set up coal washeries in the country; details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) to (c) Yes, Sir. To reduce the ash percentage of coal as per need of the consumer and their willingness to pay washing charges, Coal India Limited (CIL) has initiated steps for setting up of more pit-head coal washeries.

Two pit-head non-cocking coal washeries, one at Piparwar (Central Coalfields Limited) and the other at Bina (Northern Coalfields Limited) are under construction to supply beneficiated non-cocking coal to thermal power stations. CIL has proposed to set up more pit-head coal washeries for benefication of non-cocking coal under 'Build-Own-Operate' scheme in private sector for supply to thermal power stations.

The boilers of Kolaghat Thermal Power Station are designed to consume high ash content coal. Suitable environmental protection measures are to be taken by the power station to prevent the air-borne ash affecting human health and agricultural productivity.

Decline of coal production

3083. SHRI RAJ NATH SINGH: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether the production of coal has declined during 1994-95 as compared to 1993-94;

(b) if so,the details thereof and the reasons therefor; and

(c) its likely effect on industries and power sectors?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) and (b) No, Sir. Coal production in the country during the year 94-95 has in fact increased. The coal production during 1994-95 was 253.81 million tonnes (Provisional) as against the actual production of 246.04 million tonnes during the year 1993-94, the growth rate being 3.1 per cent.

(c) Does not arise.

कोयला श्रमिकों के काम करने की खतरनाक परिस्थितियां

3084. **श्री अजीत जोगी :** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में बड़ी संख्या में कोयला खान श्रमिक खतरनाक परिस्थितियों में काम कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सुरक्षा संबंधी और अन्य उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) मृत्यु/घातक चोट के मामले में घटना के शिकार व्यक्ति/निकटतम संबंधी को कितना-कितना मुआवजा दिया जा रहा है ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) और (ख) कोयला खनन, विशेषकर भूगत खनन इसकी विभिन्न प्रवृत्ति के कारण, जोखिमयुक्त व्यवसाय है।

जोखिम को कम करने के लिए खनन क्रियाकलाप सुरक्षा कानून जैसे खान अधिनियम, 1952, कोयला खान विनियमन, 1957 तथा उसके अंतर्गत बने नियम, आदेश तथा उप-नियमों के प्रावधानों के अनुसार चलाए जाते हैं।

(ग) मृतक दुर्घटना के मामले में मुआवजे की राशि कामगार मुआवजा अधिनियम, 1923 में दिए गए प्रावधानों के अनुसार हिसाब लगाया जाता है तथा यह कामगार की आयु, मासिक आय पर आधारित होती है। उपयुक्त के अलावा, मृतक के आश्रितों को निम्नलिखित राशि का भुगतान किया जाता है :—

(1) दाह संस्कार व्यय	500/-रु०
(2) अनुग्रह राशि	10,000/-रु०
(3) जीवन बीमा योजना के अंतर्गत राशि	15,000/-रु०

इसके अतिरिक्त, मृतक के एक आश्रित व्यक्ति को रोजगार की पेशकश भी की जाती है। रोजगार के एवेज में विकल्प के रूप में विधवा/महिला आश्रित को 60 वर्ष तक की आयु/मृत्यु/पुनः विवाह, इसमें जो भी पहले हो, तक 3000/- रु० की राशि को मासिक पैनशन का भुगतान किया जाता है।

कोयले का अवैध उत्खनन

3085. **श्री संघ प्रिय गौतम** : क्या **कोयला मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ईस्टर्न कोल फिल्डस लिमिटेड और भारत कोकिंग कोल लिमिटेड में कोयले के अवैध खनन के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान ऐसे कितने मामलों के समाचार मिले हैं; और

(ग) भविष्य में ऐसी घटनाओं को पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाये गये हैं ?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा) : (क) और (ख) कोल इंडिया लि० (को०ई०लि०) द्वारा यह सूचित किया गया है कि ईस्टन कोलफील्डस लि० (ई० को० लि०) के क्षेत्र में गैर-कानूनी खनन की प्रवृत्ति में गिरावट आई है, लेकिन भारत कौकिंग कोल लि० (भा० को० को लि०) के क्षेत्र में आंसिक रूप में वृद्धि हुई है। वर्ष 1991-92 से 1993-94 के दौरान दोनों ही कंपनियों द्वारा दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्टों की संख्या उपर्युक्त प्रवृत्ति को दर्शाती है :—

	1991-92	1992-93	1993-94
दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट की संख्या			
ई० को० लि०	208	321	284
भा० को० को० लि०	11	21	27